# CUH Faculty Dr. Manisha received IKS grant

## Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Aaj Samaj** **Date: 04-09-2024**

# हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य पशुओं के घाव के उपचार हेतु करेंगे कार्य

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की टीम को भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज हेतु परियोजना को मंजूरी मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा।

परियोजना हेतु विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से प्रो. सुरेन्द्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डॉ. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव; कुलसचिव, सुनील कुमार; शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा; स्कूल ऑफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

परियोजना से जुड़ी डॉ. मनीषा पांडे व प्रो. सुरेंद्र सिंह कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

यहां बता दें कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंतःविषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध एवं अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरूआत की गई। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम को स्वीकृत परियोजना का उद्देश्य पशुओं के घाव भरने और संक्रमण के लिए पारंपरिक औषधि के नवीन फॉर्मूलेशन के विकास के लिए प्रयास करना है। यह नया फामूर्ला घाव की जगह पर लंबे समय तक बना रहेगा, जिससे पशुओं में बेहतर उपचार में मदद मिलेगी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Amar Ujala** **Date: 04-09-2024**

# हकेंवि के संकाय सदस्य पशुओं के घाव का करेंगे उपचार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में परियोजनाओं से जुड़ी डॉ. मनीषा पांडे, प्रो. सुरेंद्र सिंह व कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

## भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत परियोजना को मिला अनुदान

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की टीम को भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज के लिए परियोजना को मंजूरी मिली है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंतःविषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने व शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध व अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरुआत की गई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम को स्वीकृत परियोजना का उद्देश्य पशुओं के घाव भरने और संक्रमण के लिए पारंपरिक औषधि के नवीन फॉर्मूलेशन के विकास के लिए प्रयास करना है। यह नया फार्मूला घाव की जगह पर लंबे समय तक बना रहेगा, जिससे पशुओं में बेहतर उपचार में मदद मिलेगी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Bhaskar** **Date: 04-09-2024**

# हकेंवि के संकाय सदस्य पशुओं के घाव के उपचार के लिए करेंगे कार्य

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

## भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत परियोजना को अनुदान

हकेंवि की टीम को भारतीय ज्ञान परम्परा के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मुलेशन की संशोधित रोगाणु रोधी क्षमता की खोज के लिए परियोजना को मंजूरी मिली है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा। परियोजना हेतु विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से प्रो. सुरेन्द्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डॉ. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव

सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Chetna** **Date: 04-09-2024**

# हकेंवि के संकाय सदस्य पशुओं के घाव के उपचार हेतु करेंगे कार्य

## भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत परियोजना को मिला अनुदान

**महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की टीम को भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज हेतु परियोजना को मंजूरी मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा। परियोजना हेतु विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से प्रो. सुरेन्द्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डॉ. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया

गया है। विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव; कुलसचिव, सुनील कुमार; शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा; स्कूल ऑफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी। यहां बता दें कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंत:विषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध एवं अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरुआत की गई। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम को स्वीकृत परियोजना का उद्देश्य पशुओं के घाव भरने और संक्रमण के लिए पारंपरिक औषधि के नवीन फॉर्मूलेशन के विकास के लिए प्रयास करना है। यह नया फार्मूला घाव की जगह पर लंबे समय तक बना रहेगा, जिससे पशुओं में बेहतर उपचार में मदद मिलेगी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Jagran** **Date: 04-09-2024**

# संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज के लिए परियोजना पर कार्य करेगा हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की टीम को भारतीय ज्ञान परंपरा (आइकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फार्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज के लिए परियोजना को मंजूरी मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आइकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा।

परियोजना के लिए विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डा. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलाजी विभाग से प्रो. सुरेंद्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डा. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया गया है।

डा. मनीषा पांडे व प्रो. सुरेंद्र सिंह कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ ● सौः हकेंवि

विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव, सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल आफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आइकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परंपरा (आइकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंतः विषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध एवं अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरुआत की गई। हकेंवि की टीम को स्वीकृत परियोजना का उद्देश्य पशुओं के घाव भरने और संक्रमण के लिए पारंपरिक औषधि के नवीन फार्मूलेशन के विकास के लिए प्रयास करना है। यह नया फार्मूला घाव की जगह पर लंबे समय तक बना रहेगा, जिससे पशुओं में बेहतर उपचार में मदद मिलेगी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Haribhoomi** **Date: 04-09-2024**

महेंद्रगढ़। परियोजना से जुड़ी डॉ. मनीषा पांडे व प्रो. सुरेंद्र सिंह कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ। फोटो: हरिभूमि

# हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य पशुओं के घाव के उपचार के लिए करेंगे कार्य

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम को भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज के लिए परियोजना को मंजूरी मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा।

परियोजना के लिए विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से प्रो. सुरेन्द्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डॉ. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव; कुलसचिव, सुनील कुमार; शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा; स्कूल ऑफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी। यहां बता दें कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंतः विषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध एवं अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरुआत की गई।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

## Public Relations Office

**Newspaper: India News Calling** **Date: 04-09-2024**

### CUH Faculty Dr. Manisha received IKS grant

September 03, 2024 04:07 PM

Mahendergarh, 03.09.24-The Indian Knowledge Systems (IKS) Division of the Ministry of Education, Govt. of India was established to promote interdisciplinary and transdisciplinary research on all aspects of Indian Knowledge Systems (IKS) and preserve and disseminate IKS knowledge for further research, and societal applications. Therefore, the IKS Division Internship Program 2024-2025 of Indian Knowledge Systems has been launched by the Ministry of Education to engage youth and support NEP 2020 implementation.

IKS under the Internship Program 2024-2025 of Indian Knowledge Systems has sanctioned the project entitled "Exploring the modified antimicrobial potential of Matha Thailam's novel formulation for wound treatment of livestock: Promoting IKS with a new strategy" to Dr. Manisha Pandey from the Department of Pharmaceutical Sciences as Principal Investigator, Prof. Surender Kumar, Department of Microbiology and Dr. Tarun Kumar, Department of Pharmaceutical Sciences as Co-Principal Investigator.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh congratulated the project team for receiving the grant from IKS, Ministry of Education, Government of India, and said that it will definitely boost the research activities in the University and will promote the Indian Knowledge Systems. Pro-Vice-Chancellor Prof. Sushma Yadav, Prof. Suneel Kumar, Registrar; Prof. Pawan Kumar Sharma, Dean Research; Prof. Dinesh Kumar Gupta, Dean, SIAS, and Dr. Dinesh Kumar, Head, Pharmaceutical Sciences also congratulated the project team.

The mandate of the funding agency is to play a pivotal role among young scientists to pursue innovative research ideas that have a direct impact on society at a large scale. The mandate of the sanctioned project is to make efforts for the development of novel formulations of traditional medicine for livestock for their wound healing and infection. This novel formulation will have prolonged retention on the site of the wound and will provide better healing in livestock. The project highlights involve not only product development, however it will also provide the skill and monetary benefits to research students.

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Navoday Times** **Date: 04-09-2024**

# रोगाणुरोधी क्षमता की खोज हेतु परियोजना को मंजूरी

महेंद्रगढ़, 3 सितम्बर (मोहन,परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की टीम को भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 के अंतर्गत पशुधन के घाव के उपचार के लिए माथा थैलम के नए फॉर्मूलेशन की संशोधित रोगाणुरोधी क्षमता की खोज हेतु परियोजना को मंजूरी मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ाने में भी यह मददगार साबित होगा।

परियोजना हेतु विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे को प्रधान अन्वेषक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से प्रो. सुरेन्द्र सिंह तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग से डॉ. तरुण कुमार को सह-प्रधान अन्वेषक नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय की समकुलपति, प्रो. सुषमा यादव; कुलसचिव, सुनील कुमार; शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा; स्कूल ऑफ इंटडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

यहां बता दें कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग की स्थापना भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) के विभिन्न पहलुओं पर अंत:विषय और बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध व सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान को संरक्षित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से की गई। इसी उद्देश्य से शोध एवं अनुसंधान में युवाओं की भागीदारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम 2024-2025 की शुरुआत की गई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम को स्वीकृत परियोजना का उद्देश्य पशुओं के घाव भरने और संक्रमण के लिए पारंपरिक औषधि के नवीन फॉर्मूलेशन के विकास के लिए प्रयास करना है। यह नया फार्मूला घाव की जगह पर लंबे समय तक बना रहेगा, जिससे पशुओं में बेहतर उपचार में मदद मिलेगी।

*परियोजना से जुड़ी डॉ. मनीषा पांडे व प्रो. सुरेंद्र सिंह कुलपति टंकेश्वर कुमार के साथ ।*

नवोदय टाइम्स Wed, 04 September 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75780540